# सारथि एकेडमी

SAARTHI18.OCT.18

## RAS MAINS TEST SERIES 2018

PAPER –II GENERAL KNOWLEDGE AND GENERAL STUDIES

Unit-II - **Administrative Ethics**

**नोटः सभी प्रश्नों के उत्तर दें। निम्न प्रश्नों का उत्तर 15-15 शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न के 2 अंक निर्धारित है।**

**1. पदसोंपान (Scalar chain) के कोई दो लाभ लिखिए ?**

**उत्तरः- 1)** संगठन में लक्ष्य की एकता एवं उत्तरदायित्व निर्धारण में सहायक।

**2)** उच्च स्तर पर कार्य का बोझ कम करता है, जिससे उच्च स्तरीय प्रबंधक रणनीतिक पक्ष पर अधिक समय देने में सक्षम होते हैं।

**2. हेनरी फेयोल के अनुसार संगठन की गतिविधियाँ कौन-कौनसी हैं ?**

**उत्तरः-** फेयोल के अनुसार संगठन की 6 गतिविधियाँ होती है जिनमें वित्तीय, वाणिज्यक, लेखांकन, सुरक्षा, तकनीकी एवं सर्वाधिक महत्वूपर्ण प्रबंधकीय गतिविधियाँ हैं।

3. **टेलर के अनुसार मानसिक क्रांति से क्या आशय हैं ?**

**उत्तरः-** टेलर ने संगठन व कर्मचारियों की समस्याओं को दूर किया जिससे संगठन में सुधार हुए उत्पादन का स्तर बढ़ा एवं सभी हितधारी संतुष्ट हुए, इसे मानसिक क्रांति कहा गया।

4. **टेलर के सिद्धांत की कोई दो आलोचना (Criticism) लिखिए ?**

**उत्तरः-** 1) मार्क्सवादियों के अनुसार टेलर ने श्रमिको को औद्योगिक रोबोट मान लिया ।

2) एल्टन मेयो, पीटर ड्रकर इत्यादि ने मानवीय पहलु की उपेक्षा के कारण आलोचना की ।

5. **संगठन में 'कार्यों का विभाजन (Division of work) सिद्धांत का प्रमुख उद्देश्य क्या हैं ?**

**उत्तरः-** संगठन में कार्यात्मक विशिष्टीकरण लाकर दक्षता, मितव्ययता, प्रभावशीलता में वृद्धि करना कार्यों के विभाजन का प्रमुख उद्देश्य हैं।

6. **टेलर का प्रशासनिक सुदृढ़ीकरण में क्या योगदान रहा ?**

**उत्तर :-** संगठन की समस्याओं के उपचार हेतु टेलर ने वैज्ञानिक प्रबंधन विचारधारा प्रतिपादित की। इसके अन्तर्गत उन्होंने संगठन में कार्यों का विज्ञान (गति, समय, थकान एवं मानकीकरण संबंधित), श्रमिकों का वैज्ञानिक चयन, प्रशिक्षण, कार्य-कर्त्ता में समन्वय व प्रबंधक-कर्मचारियों में समन्वय पर बल दिया । विशेषीकरण हेतु कार्यात्मक फॉरमेनशीप की अवधारणा दी। इन सभी उपायों से संगठन में तकनीक व संरचना में सुधार हुए व विभेदीकृत ईकाई मजदूरी की अवधारणा से उत्पादन में वृद्धि हुई। इस प्रकार टेलर द्वारा प्रतिपादित सिद्धांत से दक्षता में वृद्धि हुई एवं इसे प्रशासनिक सुदृढ़ीकरण का प्रारंभ माना जाता हैं।

7. **व्यवहारवादी विचारकों के अनुसार फेयोल के सिद्धांतों में विरोधाभास है।" स्पष्ट कीजिए ।**

**उत्तरः-** फेयोल द्वारा प्रतिपादित सिद्धांत "समता" सभी कर्मचारियों से समान व्यवहार पर बल देता है जो कि "केन्द्रियकरण" व "पदसोंपान" जैसे सिद्धांतों में कुछ सीमा तक अतिक्रमण है। साथ ही "पहल" का सिद्धांत कर्मचारियों में नवाचार प्रोत्साहित करने हेतु नयी प्रक्रियाओं को अपनाने की अपधारणा है किन्तु "व्यवस्था/क्रम" का सिद्धांत पूर्वनिर्धारित क्रम में प्रक्रिया को क्रियान्वित करने का समर्थन करता है। इसी कारण व्यवहारवादी विचारको को फेयोल के सिद्धांतो में विरोधाभास प्रतीत हुआ।

8. **"आदेश की एकता" (Unity of command) सिद्धांत का समालोचनात्मक परीक्षण करें?**

**उत्तरः-** हेनरी फेयोल द्वारा प्रतिपादित "आदेशों की एकता" सिद्धांत का आशय एक अधीनस्थ द्वारा एक ही अधिकारी से आदेश प्राप्त करने से है जिसके निम्नलिखित सकारात्मक व नकारात्मक प्रभाव हैं –

| **सकारात्मक पक्ष** | **नकारात्मक पक्ष** |
|---|---|
| 1. आदेश की एकताा कर्मचारियों का द्वन्द्व/भ्रम की स्थिति से बचाव करती हैं। | 1. एक ही व्यक्ति द्वारा आदेश प्राप्त करने से संकुचित प्रशिक्षण की संभावना । |
| 2. अधिकारियों में आपसी मतभेद की संभावना में कमी क्योंकि यह अधीनस्थ द्वारा किसी अधिकारी के आदेश की उपेक्षा से मतभेद की स्थिति की संभावना को कम करता | 2. विभिन्न कार्यों में अन्तर्सबंधों के कारण आदेशों की बहुलता कई परिस्थितियों आवश्यक होती हैं। |

हैं।
3. बेहतर अनुशासन, सुदृढ़ व्यवस्था का निर्माण आदेश की एकता द्वारा संभव होता हैं ।
4. पदसोपान का महत्व बनाये रखने हेतु आदेश की एकता आवश्यक, इसके उपयोग से प्राधिकार मजबूत रूप में होगा।
5. अधिकारी अधीनस्थ के मध्य बेहतर समन्वय ।
6. स्पष्ट नियोजन, प्रक्रिया में सरलता, अधीनस्थों का स्पष्ट मूल्यांकन व सुदृढ़ पर्यवेक्षण ।

3. कार्यों में रचनात्मकता एवं नवाचार की संभावना में कमी ।
4. किसी एक अधिकारी की तानाशाही प्रवृत्ति को प्रोत्साहन मिलने की संभावना ।
5. संगठन की विभिन्न क्रियाओं के मध्य उच्चतर तालमेल में कमी।
6. आधुनिक संगठनों में पदसोपान के स्तरों में कमी आने से आदेश की एकता का सिद्धांत तुलनात्मक रूप से कम प्रासंगिक।

सारथि एकेडमी